सिनेट न्यूज़
C-NET NEWS
आपकी आवाज़
आपके क्षेत्र की खबर

गर्दनीबाग में भूख हड़ताल का दूसरा दिन

KYP बचाने को भूख हड़ताल

1,731 पुराने केंद्रों पर प्रशिक्षण बहाल करने की मांग; एक महिला समेत पांच लोग अनशन पर

रिपोर्टर: स्वरा | पटना



गर्दनीबाग में अनशन पर बैठे पांच प्रतिभागी; इनमें एक महिला भी शामिल।



केंद्रों की बहाली और प्रशिक्षण शुरू करने की मांग के साथ जुटे संचालक।

दोनों तस्वीरें: आंदोलन पक्ष द्वारा उपलब्ध

पटना। कुशल युवा कार्यक्रम (KYP) के 1,731 पूर्ववर्ती केंद्रों पर प्रशिक्षण बहाल करने की मांग को लेकर राजधानी के गर्दनीबाग में चल रहा आंदोलन अब भूख हड़ताल के दूसरे दिन में पहुंच गया है। आंदोलन पक्ष की ओर से उपलब्ध कराई गई वर्तमान तस्वीरों और समाचार कटिंग के अनुसार, 23 अक्टूबर को आंदोलन के 15वें दिन एक महिला समेत पाँच लोगों ने भूख हड़ताल शुरू की। नौ अक्टूबर से जारी ‘केवाईपी बचाओ महाआंदोलन 2.0’ के तहत संचालक सभी पुराने केंद्रों पर पूर्ववत प्रशिक्षण व्यवस्था बहाल करने की मांग कर रहे हैं। आंदोलन पक्ष के अनुसार अनशन अनिश्चितकालीन है।

उपलब्ध हिंदी और अंग्रेज़ी समाचार कटिंग में अनशन पर बैठे लोगों के नाम कुमारी अंबा (रोहतास), विनय कुमार कुशवाहा (सीवान), मो. शमीम अख्तर (किशनगंज), आशुतोष कुमार अंजन (मुंगेर) और दिनेश कुमार साह (वैशाली) बताए गए हैं। समाचार कटिंग के अनुसार आंदोलन के संचालक डॉ. आनंद रंजन झा के नेतृत्व में भूख हड़ताल शुरू की गई है।

इस संघर्ष के केंद्र में 1,731 पूर्ववर्ती केवाईपी केंद्रों पर प्रशिक्षण बहाल करने की मांग है। आंदोलनकारियों के मुताबिक, मामला केंद्रों के संचालन तक सीमित नहीं है। इसके साथ लर्निंग फैसिलिटेटर (एलएफ), कोऑर्डिनेटर और अन्य कर्मचारियों की आजीविका तथा प्रशिक्षण की प्रतीक्षा कर रहे विद्यार्थियों का भविष्य जुड़ा हुआ है।

9 अक्टूबर से आंदोलन, अब समाधान की प्रतीक्षा

उपलब्ध समाचार कटिंग के अनुसार, लगातार 14 दिन धरना-प्रदर्शन के बाद आंदोलन के 15वें दिन भूख हड़ताल शुरू हुई। आंदोलनकारियों का कहना है कि लंबे समय से अपनी बात रखने के बावजूद विभाग की ओर से मांगों पर ठोस सकारात्मक पहल नहीं हुई। डॉ. आनंद रंजन झा के हवाले से कटिंग में आंदोलन को शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से जारी रखने की बात कही गई है।

आंदोलन पक्ष का कहना है कि लगभग पंद्रह दिनों तक धरना देने के बाद भी उनकी प्रमुख मांग का ठोस समाधान नहीं निकला। अब उनकी अपील है कि सरकार प्रतिनिधिमंडल से तत्काल बातचीत करे और केंद्र संचालन को लेकर लिखित, समयबद्ध निर्णय सार्वजनिक करे।

आठ महीने की अनिश्चितता का आरोप

केंद्र संचालकों का आरोप है कि करीब आठ महीने से उनके केंद्रों पर नियमित नामांकन और प्रशिक्षण का काम लगभग ठप है। उनका कहना है कि इस स्थिति को लेकर उन्हें पर्याप्त पूर्व सूचना, स्पष्ट नोटिस अथवा भविष्य की संचालन व्यवस्था के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं मिली। इन आरोपों पर विभाग का प्रत्यक्ष जवाब इस रिपोर्ट के लिए उपलब्ध नहीं है।

संचालकों के अनुसार, लंबे समय तक प्रशिक्षण बाधित रहने से केंद्र चलाने और कर्मचारियों को काम उपलब्ध कराने में कठिनाई बढ़ी है। उनके सामने सवाल है कि पूर्व व्यवस्था में तैयार किए गए प्रशिक्षण केंद्रों और उनसे जुड़े मानव संसाधन का आगे उपयोग किस तरह होगा। वे अनिश्चित प्रतीक्षा के स्थान पर स्पष्ट नीति और उसके क्रियान्वयन की तारीख चाहते हैं।

शेष विस्तृत रिपोर्ट पृष्ठ 3 पर

अनंत सिंह और नीलम देवी छह साल के लिए जदयू से निष्कासित

पटना। जदयू ने शनिवार को मोकामा विधायक अनंत सिंह और पूर्व विधायक नीलम देवी को छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित किया। इंडियन एक्सप्रेस की 24 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी ने कथित दल-विरोधी गतिविधियों को कार्रवाई का आधार बताया है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के बयान में पार्टी निर्देशों के उल्लंघन और विधान परिषद चुनाव में प्रतिद्वंद्वी दल के उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार का आरोप लगाया गया। पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष से अनंत सिंह की सदस्यता के विषय में कार्रवाई का अनुरोध भी किया है। पार्टी से निष्कासन और विधानसभा सदस्यता पर अंतिम निर्णय अलग विषय हैं; उपलब्ध रिपोर्ट में विधानसभा सदस्यता समाप्त होने का फैसला नहीं बताया गया है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, 24 अक्टूबर

11 करोड़ किसानों की डिजिटल पहचान का लक्ष्य पूरा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने शनिवार को 11 करोड़ किसान आईडी बनाने का लक्ष्य पूरा होने की जानकारी दी। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार यह उपलब्धि 31 मार्च 2027 की निर्धारित समयसीमा से पांच महीने पहले हासिल हुई है। किसान आईडी को राज्य के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ा जाता है। इसमें भूमि स्वामित्व, फसल और संबंधित विवरण शामिल होते हैं। सरकार का कहना है कि अलग-अलग योजनाओं के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने तथा कार्यालयों और बैंकों के चक्कर लगाने की जरूरत घटाने में यह व्यवस्था सहायक होगी। किसान रजिस्ट्री, डिजिटल कृषि मिशन के एग्री-स्टैक का हिस्सा है। रिपोर्ट में शामिल मंत्रालय-संबंधी आंकड़ों के अनुसार पंजीकृत किसानों में 26 प्रतिशत महिलाएं हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, 24 अक्टूबर

विज्ञापन


सिनेट न्यूज़ C-NET NEWS 02

बिहार • नालंदा • आसपास news.mciedu.com

बिहार में आज की हलचल

1,670 एकड़
औद्योगिक क्षेत्र की योजना का उल्लेख

74.5%
शिक्षक सीटों पर मतदान, रिपोर्ट के अनुसार

43%
स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान

कोसुक में छात्र का शव मिलने के बाद परिजनों का प्रदर्शन

नालंदा। दीपनगर थाना क्षेत्र के कोसुक में स्कूल से लापता बताए गए छात्र का शव नदी से बरामद होने की सूचना के बाद परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया। सिनेट न्यूज़ की प्रकाशित रिपोर्ट, जो नालंदा रिपोर्टर के सार्वजनिक वीडियो विवरण पर आधारित है, के अनुसार खोज में एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोर शामिल हुए। परिवार ने स्कूल से जुड़े लोगों पर आरोप लगाए हैं। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि तथा जांच का अंतिम निष्कर्ष इस विवरण में उपलब्ध नहीं है। मामले को जांचाधीन मानते हुए संबंधित पक्षों के जवाब और पुलिस के निष्कर्ष की प्रतीक्षा जरूरी है।

स्रोत: सिनेट न्यूज़ / नालंदा रिपोर्टर

अनुज सिंह ने जीत का दावा किया, मतगणना पर नजर

नालंदा। विधान परिषद के पटना स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के बाद जन सुराज से जुड़े अनुज सिंह ने जीत का दावा किया। सिनेट न्यूज़ की प्रकाशित खबर के अनुसार उन्होंने बदलाव के पक्ष में मतदाताओं का समर्थन मिलने की बात कही और 27 अक्टूबर की मतगणना पर भरोसा जताया। यह उम्मीदवार पक्ष का दावा है, घोषित चुनाव परिणाम नहीं। अंतिम स्थिति अधिकृत मतगणना और निर्वाचन परिणाम जारी होने के बाद स्पष्ट होगी।

स्रोत: सिनेट न्यूज़ / नालंदा रिपोर्टर

बिहार में 1,670 एकड़ पर औद्योगिक क्षेत्र की योजना की चर्चा

पटना। बिहार में निवेश और रोजगार बढ़ाने के लिए 1,670 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की योजना का उल्लेख सामने आया है। नवभारत टाइम्स की 24 अक्टूबर की रिपोर्ट में इसे ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर विकसित करने की बात कही गई है। खबर में सड़क संपर्क और निवेश आकर्षित करने पर जोर दिया गया है। उपलब्ध जानकारी में परियोजना की पूरी समयसीमा तथा रोजगार की अंतिम संख्या स्पष्ट नहीं है।

स्रोत: नवभारत टाइम्स, 24 अक्टूबर

शिक्षक और स्नातक सीटों के मतदान में अंतर

पटना। बिहार विधान परिषद की चार शिक्षक और चार स्नातक सीटों के चुनाव में मतदान का अलग रुझान सामने आया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 74.5 प्रतिशत और स्नातक क्षेत्रों में 43 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। चुनाव में एनडीए, विपक्षी गठबंधन और जन सुराज की मौजूदगी से मुकाबला चर्चा में है। ये आंकड़े मतदान के हैं; इन्हें परिणाम या किसी दल की जीत का प्रमाण नहीं माना जा सकता।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, 23-24 अक्टूबर

मैराथन को लेकर पटना में यातायात व्यवस्था पर नजर

पटना। मैराथन के मद्देनजर गंगा पथ और अटल पथ पर यातायात प्रतिबंधों की सूचना सामने आई है। टाइम्स ऑफ इंडिया की 24 अक्टूबर की रिपोर्ट में इन मार्गों पर बदलाव का उल्लेख किया गया है। यात्रियों के लिए निकलने से पहले यातायात पुलिस की ताजा सूचना देखना उपयोगी होगा। उपलब्ध विवरण में प्रतिबंध की पूरी समय-सारणी और सभी वैकल्पिक मार्ग स्पष्ट नहीं हैं।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया, 24 अक्टूबर

दक्षिण में तेज बारिश का पूर्वानुमान, बिहार में 28-29 अक्टूबर पर नजर

नई दिल्ली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर आधारित इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और लक्षद्वीप के कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है। बिहार के लिए 28 अक्टूबर को कहीं-कहीं बारिश और 29 अक्टूबर को व्यापक बारिश का अनुमान बताया गया है। 28-29 अक्टूबर के दौरान गरज, बिजली और तेज हवा की संभावना भी रिपोर्ट में दर्ज है। यह पूर्वानुमान है, निश्चित घटना नहीं। स्थानीय स्थिति के लिए मौसम विभाग के ताजा जिला-स्तरीय बुलेटिन और प्रशासन की सूचना देखना जरूरी होगा।

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स, 23 अक्टूबर; 24 अक्टूबर का पूर्वानुमान

विज्ञापन



सिनेट न्यूज़ C-NET NEWS 03

KYP • मुखपृष्ठ से आगे news.mciedu.com

केंद्रों का भविष्य स्पष्ट हो, युवाओं का प्रशिक्षण शुरू हो

संचालकों की मांग: लिखित निर्णय, समयबद्ध कार्रवाई और विद्यार्थियों की कक्षाओं की स्पष्ट तारीख

स्वरा | सिनेट न्यूज़



गर्दनीबाग में आंदोलन स्थल पर बातचीत। तस्वीर: आंदोलन पक्ष द्वारा उपलब्ध।

आंदोलन की समयरेखा

9 अक्टूबर
महाआंदोलन की शुरुआत

23 अक्टूबर
पांच लोगों की भूख हड़ताल शुरू

24 अक्टूबर
अनशन का दूसरा दिन

तारीखें उपलब्ध समाचार कटिंग और आंदोलन पक्ष के विवरण के अनुसार।

DRCC से पंजीकरण के बाद भी प्रशिक्षण का इंतजार

आंदोलन पक्ष से मिली जानकारी के अनुसार, कुछ विद्यार्थी जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (DRCC) से पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी छह-सात महीने से प्रशिक्षण शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वे केंद्रों पर पहुंचते हैं, लेकिन कक्षाएं कब शुरू होंगी, इसका स्पष्ट जवाब नहीं मिल पाता। प्रतीक्षारत विद्यार्थियों की कुल संख्या का सत्यापित आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

यह शिकायत प्रशिक्षण व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी पर सवाल उठाती है: पंजीकरण कराने वाले विद्यार्थी को प्रशिक्षण तक पहुंचाने की जिम्मेदारी किस स्तर पर तय होगी? यदि विद्यार्थी की प्रक्रिया पूरी है, तो उसे केंद्र, बैच और कक्षा शुरू होने की तारीख की जानकारी मिलनी चाहिए।

कौशल सीखने के उद्देश्य से पंजीकरण कराने वाले युवाओं के लिए कई महीनों की देरी उनके आगे की पढ़ाई और काम की तैयारी को प्रभावित कर सकती है। इसलिए केंद्र संचालन पर निर्णय के साथ प्रतीक्षारत विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की अलग, स्पष्ट कार्ययोजना भी जरूरी है। 12 अक्टूबर की लल्लूराम की रिपोर्ट में भी केंद्र संचालकों के साथ विद्यार्थियों के प्रदर्शन में शामिल होने और प्रशिक्षण प्रभावित होने का उल्लेख है।

‘डिजिटल मित्र’ में 871 का आंकड़ा: स्थिति स्पष्ट करना जरूरी

विवाद के बीच कुशल युवा कार्यक्रम को ‘डिजिटल मित्र’ व्यवस्था के अंतर्गत आगे बढ़ाने की खबरें भी सामने आई हैं। अमर उजाला की पाँच अक्टूबर की रिपोर्ट में विभाग के हवाले से बताया गया है कि पहले चरण में 871 पात्र संचालकों को एक-एक केंद्र आवंटित किया जाएगा। दूसरे चरण में पहले दो या अधिक केंद्र चलाने वाले संचालकों को एक-एक अतिरिक्त केंद्र देने का प्रावधान बताया गया है।

यहां 1,731 केंद्रों और 871 संचालकों के आंकड़ों का अंतर समझना जरूरी है। दोनों को सीधे एक जैसी इकाई मानकर निष्कर्ष निकालने से स्थिति अधूरी दिखाई दे सकती है। इसी वजह से विभाग से यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि चरणबद्ध आवंटन पूरा होने पर कितने केंद्र संचालित होंगे, पुराने केंद्रों का समायोजन कैसे होगा और विद्यार्थियों की प्रशिक्षण क्षमता पर क्या असर पड़ेगा।

केंद्र संचालकों की मुख्य चिंता है कि पूर्ववर्ती केंद्रों को काम करने का अवसर और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण की निरंतरता मिले। नई व्यवस्था को लेकर पात्रता, आवंटन, क्षमता और समयसीमा की स्पष्ट जानकारी सामने आने से इस अनिश्चितता को दूर करने में मदद मिल सकती है।

पहले आंदोलन के बाद आश्वासनों पर उठे सवाल

केवाईपी केंद्रों से जुड़ा विरोध इससे पहले भी सामने आ चुका है। हिन्दुस्तान की एक सितंबर की रिपोर्ट में केंद्रों के नवीकरण, नामांकन और प्रशिक्षण की बहाली तथा लंबित भुगतान की मांग पर भूख हड़ताल का उल्लेख है। इससे स्पष्ट है कि संचालकों की शिकायतें केवल वर्तमान धरने के दौरान सामने नहीं आई हैं।

मौजूदा आंदोलन से जुड़े संचालकों का आरोप है कि पहले आंदोलन के दौरान सभी पुराने केंद्रों को चालू करने का भरोसा दिया गया था, लेकिन अपेक्षित बहाली नहीं हुई। वे इसे आश्वासन पूरा नहीं होने का मामला बताते हैं। पूर्व वार्ता में वास्तव में क्या सहमति बनी थी और उसके बाद कौन-सी कार्रवाई हुई, यह संबंधित पत्रों तथा कार्यवाही के विवरण से स्पष्ट होना चाहिए।

केंद्र संचालकों का कहना है कि इस बार उन्हें मौखिक भरोसे के साथ ऐसा लिखित निर्णय चाहिए, जिसके आधार पर वे विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों और कर्मचारियों को आगे की स्थिति बता सकें।

रोजगार और प्रशिक्षण—दोनों पर असर

केवाईपी केंद्र के साथ संचालक के अलावा प्रशिक्षण देने वाले एलएफ, बैच और विद्यार्थियों का समन्वय करने वाले कोऑर्डिनेटर तथा अन्य कर्मचारी जुड़े रहते हैं। काम बाधित होने की शिकायत का असर इस पूरी व्यवस्था पर पड़ता है। आंदोलन पक्ष इसी कारण इसे केंद्र संचालकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का साझा मुद्दा बता रहा है।

राज्य में कौशल प्रशिक्षण बढ़ाने के लक्ष्य के बीच उपलब्ध केंद्रों और प्रशिक्षित कर्मचारियों के भविष्य पर अस्पष्टता दूर करना जरूरी है। किसी भी बदलाव का आकलन इस आधार पर भी होना चाहिए कि युवाओं को प्रशिक्षण कितनी जल्दी, कितनी क्षमता के साथ और कितनी आसानी से उपलब्ध होगा।

पोस्टर में चार प्रमुख मांगें

आंदोलन पक्ष के उपलब्ध कराए गए पोस्टर में सभी 1,731 केवाईपी केंद्रों की पुनर्बहाली, पूर्ववर्ती केवाईपी पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दोबारा शुरू करने, प्रति केंद्र प्रति तिमाही 120/180 की प्रशिक्षण क्षमता बहाल करने और बंद अवधि का उचित मुआवजा देने की मांग दर्ज है। केंद्र संचालक चाहते हैं कि केंद्रों के भविष्य के साथ प्रशिक्षण की क्षमता और बंद अवधि से जुड़े आर्थिक प्रश्नों पर भी स्पष्ट निर्णय हो।

संवाद, स्पष्ट आदेश और प्रशिक्षण बहाली की जरूरत

इस विवाद के समाधान के लिए कुछ प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर आवश्यक है। सभी 1,731 पूर्ववर्ती केंद्रों की वर्तमान स्थिति क्या है? किन केंद्रों पर नामांकन और प्रशिक्षण बाधित है तथा क्यों? डिजिटल मित्र व्यवस्था में पुराने केंद्रों और संचालकों के लिए अवसर क्या होंगे? पंजीकरण करा चुके विद्यार्थियों की कक्षाएं कब और कहां शुरू होंगी? पूर्व आंदोलन के दौरान दिए गए आश्वासनों पर क्या कार्रवाई हुई?

इन प्रश्नों पर विभाग का सार्वजनिक स्पष्टीकरण और आंदोलनकारियों से सार्थक संवाद समाधान का रास्ता खोल सकता है। अनशन पर बैठे लोगों के स्वास्थ्य की निगरानी और बातचीत में तात्कालिकता भी आवश्यक है।

इस रिपोर्ट के लिए संबंधित विभाग का प्रत्यक्ष पक्ष उपलब्ध नहीं है। डिजिटल मित्र की चरणबद्ध व्यवस्था के बारे में जानकारी प्रकाशित समाचारों में विभाग के हवाले से दी गई है। बिना नोटिस काम बंद होने, आठ महीने की अवधि और पूर्व आश्वासनों से जुड़े आरोपों पर विभाग का विस्तृत जवाब सामने आना बाकी है।

गर्दनीबाग से उठ रही मांग के केंद्र में एक सीधा सवाल है—युवाओं की कौशल कक्षाएं फिर कब चलेंगी? सरकार के सामने अवसर है कि वह केंद्र संचालकों की शिकायतें सुने, कर्मचारियों की स्थिति स्पष्ट करे और विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की तारीख तय करे। लिखित निर्णय और उसका समय पर पालन ही इस लंबे इंतजार को खत्म कर सकता है।

विज्ञापन



सिनेट न्यूज़ C-NET NEWS 04

खेल • भारत बनाम न्यूजीलैंड news.mciedu.com

दूसरा टी20 • क्राइस्टचर्च

तिलक-नीतीश ने पलटा मैच, भारत की बढ़त 2-0

तिलक 51 नाबाद, नीतीश 26 नाबाद; भारत ने एक गेंद शेष रहते चार विकेट से जीत दर्ज की

स्वरा | सिनेट न्यूज़ खेल डेस्क



जीत के बाद तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी।

फोटो: Surjeet Yadav / CREIMAS for BCCI



दूसरे टी20 के दौरान बल्लेबाजी करते तिलक वर्मा।

न्यूजीलैंड 180/5	भारत चार विकेट से जीता	भारत 181/6
20 ओवर		19.5 ओवर

भारत ने मुश्किल परिस्थितियों से शानदार वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में चार विकेट से हरा दिया। हैग्ली ओवल में शनिवार को खेले गए मैच में मेजबान टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए। भारत ने 181 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल किया। इस रोमांचक जीत के साथ भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज़ में 2-0 से आगे हो गई है।

तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी भारत की जीत के निर्णायक चेहरे रहे। तिलक ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश 13 गेंदों पर 26 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 69 रन की अविजित साझेदारी की और एक समय न्यूजीलैंड की ओर झुकते मुकाबले का रुख बदल दिया।

70 पर पांच विकेट, फिर शुरू हुई वापसी

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। लगातार विकेट गिरने से टीम 70 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। ऐसे में नमन धीर ने 17 गेंदों पर 31 रन बनाकर पारी को संभालने और रन गति बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी पारी ने भारत को मुकाबले में बनाए रखा।

हालांकि नमन के आउट होने के बाद भारत का स्कोर 112/6 हो गया। तब जीत के लिए 31 गेंदों पर 69 रन की जरूरत थी। इसी स्थिति में तिलक और नीतीश ने साझेदारी की जिम्मेदारी उठाई। दोनों ने दबाव के बीच रन जुटाए और अंतिम ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड की पकड़ कमजोर कर दी।

आखिरी ओवर तक चला रोमांच

भारत को अंतिम छह गेंदों पर 11 रन चाहिए थे। तिलक और नीतीश ने संयम बनाए रखा और पांचवीं गेंद पर लक्ष्य हासिल कर लिया। नीतीश ने विजयी रन पूरे किए। तिलक की पारी में छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत की खास बात मुश्किल समय में भारतीय बल्लेबाजों का धैर्य था। पांच और फिर छह विकेट गंवाने के बावजूद टीम ने लक्ष्य का पीछा जारी रखा। नमन की उपयोगी पारी के बाद तिलक और नीतीश ने अंत तक क्रीज पर रहकर जीत सुनिश्चित की।

फिलिप्स और जैकब्स ने न्यूजीलैंड को संभाला

इससे पहले न्यूजीलैंड की पारी भी शुरुआती झटकों से प्रभावित हुई। मेजबान टीम का स्कोर 41/3 था। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने चौथे विकेट के लिए 116 रन जोड़कर पारी को संभाला। फिलिप्स ने 43 गेंदों पर 70 रन बनाए और जैकब्स ने भी अर्धशतकीय योगदान दिया। इस साझेदारी के सहारे न्यूजीलैंड 180/5 तक पहुंचा।

भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिए। प्रिंस यादव, भुवनेश्वर कुमार और नीतीश कुमार रेड्डी को एक-एक विकेट मिला।

सैंटनर की शानदार गेंदबाजी पर भारी पड़ा भारत का जवाब

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने चार ओवर में केवल 21 रन देकर चार विकेट झटके। उनके स्पेल ने भारत के मध्यक्रम को मुश्किल में डाला। लेकिन तिलक और नीतीश की अंतिम साझेदारी ने उनकी शानदार गेंदबाजी के बावजूद मुकाबला भारत के नाम कर दिया।

दो लगातार जीत से भारत ने सीरीज़ में मजबूत स्थिति बना ली है। अगला लक्ष्य इस बढ़त को सीरीज़ जीत में बदलना होगा। वहीं न्यूजीलैंड को वापसी के लिए अपने अगले मुकाबले में बेहतर परिणाम की जरूरत होगी।

मोना अग्रवाल का स्वर्ण, 50 मीटर राइफल में रिकॉर्ड प्रदर्शन

एशियाई पैरा खेलों में भारतीय निशानेबाज मोना अग्रवाल ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री-पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इंडियन एक्सप्रेस की 24 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार फाइनल में उन्होंने 357.5 अंक के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले वह 10 मीटर एयर राइफल में भी स्वर्ण जीत चुकी थीं। जयपुर की मोना ने किराये की राइफल से इस स्पर्धा की तैयारी शुरू की थी और प्रतियोगिता में भी किराये की राइफल इस्तेमाल करने की बात कही। सीमित संसाधनों के बीच उनका प्रदर्शन भारतीय पैरा खेलों की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, 24 अक्टूबर

हैनी ने भाला फेंक में स्वर्ण और विश्व रिकॉर्ड बनाया

भारतीय पैरा एथलीट हैनी ने एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की भाला फेंक एफ37/38 स्पर्धा में 60.49 मीटर के प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार यह नया विश्व रिकॉर्ड है। 21 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले इसी सप्ताह चक्का फेंक एफ37 में कांस्य भी जीत चुके थे। निशानेबाजी से खेल जीवन शुरू करने वाले हैनी ने बाद में भाला फेंक को अपनाया। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने पांचवें प्रयास में 59.72 मीटर फेंककर पुराना रिकॉर्ड पार किया और अंतिम प्रयास में अपनी दूरी को और बेहतर किया।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, 23-24 अक्टूबर

विज्ञापन

